भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर 452001
ICAR-National Soybean Research, Institute, Khandwa Road, Indore-452001

सोया कृषकों के लिए सलाह
Advisory for Soybean Farmers

फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520
वेब साईट : https://iisrindore.icar.gov.in
ई मेल : director.soybean@icar.gov.in/ dsrdirector@gmail.com
YouTube लिंक: YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553
फेसबुक: https://www.facebook.com/icar.nsri/
X: @ICARNSRI Whatsapp & Telegram: NSRI Soy Farmers

© ICAR-NSRI

यह विस्तार बुलेटिन सोया कृषकों के सार्वजानिक हित में और विशुद्ध रूप से भारत भर के सोयाबीन उत्पादकों के लाभ के लिए जारी की गई है। यह आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान और सोयाबीन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों की बौद्धिक सम्पदा हैं। सोया कृषकों के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा किसी प्रकार का व्यावसायिक/लाभ कमाने के लिए इसका आंशिक/संपूर्ण उपयोग ICAR-NSRI को बिना उचित श्रेय दिए सख्त वर्जित है।

Disclaimer: This document/Advisory is issued in the public interest and purely for the benefit of the soybean growers across India. This is the sole intellectual output of scientists of ICAR-National Soybean Research Institute, and All India Coordinated Research Project on Soybean. Its use by any organization (other than farmers) for any commercial/profit making as part/whole/copying without giving due credit is strictly prohibited.

फ़ाइल् क्रमांक: टेक 10-6/2025 **दिनांक: 14.07.2025**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(14-20 जुलाई 2025 / 14th-20th July 2025)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में बोवनी की तिथियों में भिन्नता होने से इस समय सोयाबीन 25-30 दिन की हैं. कुछ क्षेत्रों में वर्षा हो रही हैं जबकि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा नहीं होने से फसल की बढवार अपेक्षाकृत नहीं हैं. जहा सबसे पहले बोवनी हुयी, इस सप्ताह फूल आने की अवस्था में होगी. ऐसी स्थिति में कीट/रोग/खरपतवार नियंत्रण के उपायों के साथ साथ अन्य सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही हैं.

The soybean crop in different areas is of 25-30 days duration as per the variation in sowing dates. Few areas are still passing through dry spell. The crop is likely to reach flowering stage in some of the areas. Under such circumstances, farmers are advised to adopt following measures for management of weeds and insect-pest diseases along with other precautionary measures as given below.

1. सस्य क्रियाओं का प्रबंधन एवं फसल सर्वेक्षण के उपाय Agronomic Management and Crop Surveillance

1.	सूखे की स्थिति के दौरान लोह तत्व की अनुपलब्धता से सोयाबीन की उपरी पत्तियाँ पर पीलापन देखा जा रहा हैं, जो वर्षा आने पर पूर्ववत हो सकेगा. अधिक तीव्रता होने पर 1% फेरस सल्फेट+0.2% चुना (प्रति लीटर पानी में 10 ग्राम फेरस सल्फेट + 2 ग्रा. चुना) मिलाकर फसल पर छिडकाव करें. Symptoms of interveinal chlorosis are seen on the upper leaves of soybean plants because of unavailability of iron during the dry spell experienced in certain areas (See Photo) which may disappear after the receipt of sufficient rains. If the intensity is high, farmers are advised to apply the foliar spray of $FeSO_4\ 7H_2O$ @ 10 g+2g $Ca(OH)_2$ per litre of water.	
2.	भले ही फुल आने की अवस्था हो, कीट एवं रोगों से सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिडकाव करें. Even during flowering stage, spray of insecticide/fungicide may be applied considering the damage to the crop.	

3.	अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर कई स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये. Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals at various places in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.	
4.	सोयाबीन की फसल घनी होने पर चक्र भृंग का प्रकोप अधिक होने की सम्भावना होती हैं. इसके लिए प्रारंभिक अवस्था में ही (एक सप्ताह के अन्दर) दो रिंग दिखाई देने वाली ऐसी मुरझाई/लटकी हुई ग्रसित पत्तियों को तने से तोड़कर जला दे या खेत से बाहर करें. Densely populated soybean crop may lead to increased incidence of Girdle beetle. It is advised to pick/destroy the affected plant part (dried trifoliate leaf having two rings on petiole) immediately after the symptoms are visible.	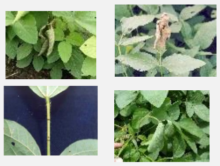
5.	कृषकों को सलाह हैं कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें. Farmers are advised to make necessary drainage arrangements to avoid waterlogging.	
6.	सूखे की स्थिति में भूमि में दरारे पड़ने से पूर्व ही फसल की सिंचाई करें. इसके लिए स्प्रिंकलर/ड्रिप/BBF/रिज फरो से बनी नालियों का उपयोग किया जा सकता हैं. कृषकगण अन्य उपाय जैसे भूसे/खरपतवारों की पलवार लगा कर नमी संरक्षण का काम कर सकते हैं. In case of drought, farmers are advised to apply critical irrigation with sprinkler/drips/flood irrigation using furrows created by use of BBF/Ridge Furrow seed drill. Farmers may also adopt measures like soil mulching with wheat straw to conserve available soil moisture.	

2. प्रमुख कीटों के नियंत्रण हेतु सलाह Advice for control of Major insects

1.	बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप होने पर झुण्ड में रहने वाली इन इल्लियो को प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे सहित खेत से निष्कासित करें एवं फसल पर फ्लूबेंडियामाइड 20WG (250-300 ग्रा/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 SC (150 मिली/हे) **या** लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 04.90 % CS (300 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) छिडकाव करें . In case of an attack of Bihar hairy caterpillar, farmers are advised to remove the affected plant and apply spray of Flubendiamide 20 WG @250-300 g/ha OR Flubendiamide 39.35 SC @ 150 ml/ha OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha).	
2.	तना मक्खी के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि लक्षण दिखाई देने पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) का छिड़काव करें. Farmers are advised to control the stem fly using spray of Thiamethoxam12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha OR Betacyfluthrin + Imidacloprid @350 ml/ha **OR** Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha immediately after the symptoms are noticed.	
3.	पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) के नियंत्रण हेतु **स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450** मिली/हे**) OR क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी** (150 मिली/हे) पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 मिली/हे) का छिडकाव करें. In such areas where having infestation of defoliators, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Spinetoram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).	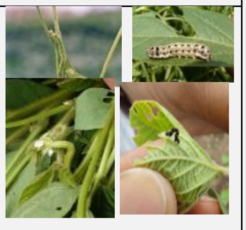

3.	चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी .(750मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली/.है) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली /है) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें. For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.	 Damage Symptoms of Girdle Beetle
4.	पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) के नियंत्रण हेतु **स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450** मिली/हे**) OR क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी** (150 मिली/हे) पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 मिली/हे) का छिडकाव करें. In such areas where having infestation of defoliators, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Spinetoram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).	

3. रोग प्रबंधन हेतु सलाह Advice for Management of Diseases

1.	लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राक्नोज रोग की सम्भावना अधिक होती हैं. अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह हैं कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाझोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिडकाव करें. In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.	 **एन्थ्राक्नोज** के लक्षण
2.	पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फ़ैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी/एफिड की रोकथाम हेतु थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. **इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है** .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). **This will also facilitate control of stem fly.** Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vectors of YMV/SMV respectively.	

4. खरपतवार प्रबंधन हेतु सलाह Advise for Weed Management

1.	सोयाबीन फसल को 50-60 दिन तक खरपतवार मुक्त रखना आवश्यक होता हैं. इसके लिए सुविधानुसार विभिन्न पद्धतियों (हाथ से निंदाई, डोरा/कुल्पा का प्रयोग/खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशकों (तालिका) का प्रयोग किया जा सकता हैं. इसके लिए दो बार हाथ से निंदाई (20 एवं 40 दिन की फसल में) या सुविधानुसार 25 दिन तक डोरा/कुलपा या अनुशंसित खरपतवारनाशकों का छिडकाव करें. लगातार बारिश होने की स्थिति में अगर खेत में डोरा/कुलपा/ट्रेक्टर चालित डोरा या बूम स्प्रे का प्रयोग संभव नहीं हो, जेट ट्रेक्टर को मेड/सड़क पर खड़ा कर इससे जुड़े लम्बे पाइप वाले जेछिडकाव किया जा सकता हैं.	
	Soybean crop needs to keep weed free during 50-60 days. This can be done by 2 manual weedings at 20 and 40 days after sowing OR use of bullock/tractor drawn dora/kulpa (preferably before 25 days) OR spray of recommended herbicides. IF the use of dora/kulpa/tractor drawn boom spray is not possible because of continuous rain, tractor mounted jet sprayer having long pipe can be used keeping the tractor on at one place. The list of recommended post-emergence herbicides is given in Table 1.	
2.	ऐसे कृषक जिन्होंने अपनी फसल में बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का प्रयोग किया हैं, सलाह हैं कि खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सुविधाजनक मौसम होने पर डोरा/कुलपा चलायें. Farmers who have already used either Pre=Plant Incorporation (PPI) herbicides or Pre-emergence (PE) herbicides, are advised to go for inter-cultivation using dora/kulpa as per the favorable condition for the control of weeds.	
3.	जहा फसल 15-20 दिन की हो गई है, और अभी तक किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशक का प्रयोग नहीं किया हैं, सलाह हैं कि सोयाबीन फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुशंसित खड़ी फसल में उपयोगी किसी एक रासायनिक खरपतवारनाशक का छिडकाव करें (तालिका 1 देखे). Wherever the crop is of 15-20 days' duration, the farmers who have not yet used any of the herbicides so far, are suggested to apply spray of any one post-emergence herbicide recommended for soybean (Table 1).	
4.	राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा खरपतवारनाशकों एवं कीटनाशकों की सांगतता बाबत अभी तक किये गए अनुसन्धान परीक्षणों के अनुसार निम्न खरपतवारनाशक एवं कीटनाशकों की संगतता पाई गई हैं. अतः सलाह हैं कि जिन्होंने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का अभी तक प्रयोग नहीं किया हैं, निम्न सूचि में से कोई एक कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का मिलाकर छिडकाव किया जा सकता हैं. **(1)कीटनाशक**: क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्विनाल्फोस 25 ई.सी (1 ली/हे) या इन्डोक्साकर्ब 15.8 एस.सी (333 मि.ली./हे) **(2) खरपतवारनाशक**: इमाज़ेथापायर 10 एस.एल (1 ली/हे) या क्विजालोफोप इथाइल 5 ई.सी (1 ली/हे) As per the results of the trials conducted on compatibility of insecticides and herbicides at ICAR-NSRI, the combined use following insecticides and herbicides are found compatible. Farmers who did not apply PPI or PE herbicide are suggested to use combination of either one among the following insecticide and herbicides at this stage. **(1) Insecticides**: Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) or Quinalphos 25 EC (1 l/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha) **(2) Herbicides**: Imazethapyr 10 SL (1 lit/ha) or Quizalofop ethyl 5 EC (1.00 lit/ha).	

5. सामान्य सलाह / B.General advisory

	क्या करें? What to do?	
1	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (खरपतवारनाशक/कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिडकाव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पॉवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).	
2	कीटनाशक के छिडकाव हेतु होलो कोन नोजल जबकि खरपतवारनाशक के छिडकाव हेतु फ्लड जेट/फ्लैट फेन नोजल का उपयोग करें. Farmers are advised to use hollow cone nozzle for spray of insecticide while flood jet/flat fan nozzle during the spray of herbicide in standing soybean crop.	

3	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो . While purchasing any Agri-input, always obtain a *pucca bill* from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	
क्या नहीं करें? What not to do?		
1	ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें. Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.	
2	जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फ़सल को नुकसान हो सकता है. Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.	
अन्य सुरक्षात्मक उपाय अपनाये Preventive Measures		
1	पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु रोगवाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly, a carrier for transmission of YMV disease.	
2	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	
3	सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.	
4	सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु *बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस* अथवा *ब्युवेरिया बेसिआना* या *नोमुरिया रिलेयी* (1.0 ली/.हेक्टे) का प्रयोग करें. In case of organic soybean production, farmers are advised to use *Bacillus thuringiensis* or *Beauveria bassiana or Nomuriya rileyi* @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).	

तालिका : केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा 31 मार्च 2025 को जारी सोयाबीन में अनुशंसित खरपतवारनाशकों

खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
अ .बौवनी के 10 - 12 दिन बाद उपयोगी (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम
	बेन्टाझोन 480 एस.एल.	2.00 ली.
ब. .बौवनी के 15 - 20 दिन बाद उपयोगी (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.
	इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.
	क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.
	क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.
	फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी. (9% w/v)	1.11 ली.
	क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.

	फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.
	हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.
	प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	0.50-0.75 ली.
	क्लेथोडियम 25% w/w (240 g/L) ई.सी	0.50 -0.75 ली.
	फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.
स. .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल11.1% w/w +फोमेसाफेन 11.1% w/w SL	1.00 ली.
	इमाझेथापायर 35%+इमेजामॉक्स 35% WG	100 ग्रा.
	प्रोपाक्विजाफॉप 2.5% +इमाझेथापायर 3.75% w/w ME	2.00 ली.
	सोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5% +क्लोडिनाफाप प्रोपारगील 8% EC	1.00 ली.
	फोमेसाफेन 12 %+ क्विजालोफाप इथाईल 3% w/w SC	1.50 ली.
	फोमेसाफेन 12.5% + क्विजालोफाप इथाईल 4.68% EC	1.00 ली.
	क्विजालोफाप इथाईल 10% EC + क्लोरीम्यूरान इथाईल 25% WP + सर्फेक्टेन्ट (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%
	हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 12.8 % + इमाझेथापायर 10% (w/w) ME	0.825 ली.
	फोमेसाफेन 12.5% + फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 10%+ क्लोरीम्यूरान इथाईल 0.9% ME (125 + 100 + 9 a.i./ha)	1.00 ली.
	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप इथाईल 10% EC	0.50 ली.
	क्विजालोफाप इथाईल 7.5% + इमाझेथापायर 15% w/w EC	0.50 ली.
	फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 6%+ क्लोरीम्यूरान इथाईल 0.9% + इमाझेथापायर 10% SC	1.00 ली.

नोट-खडी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशकों का उपयोग 10-20 दिन तक प्रभावी होता हैं.

Table 2: List of recommended Herbicides in Soybean (as per the list of CIB released on 31.03.2025)

Type of Herbicide	Technical ingredient	Dose/ha
POE (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g.
	Bentazone 480 g/l SL	2.00 l.
POE (15--20 DAS)	Imazethapyr 10% SL	1.00 l.
	Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g.
	Quizalofop-ethyl 5% EC	0.75-1.00 g.
	Quizalofop-ethyl 10% EC	375 -450 ml.
	Fenoxaprop-p-ethyl 9.3% w/w EC (9% w/v)	1.11 l.
	Quizalofop –p-tefuryl 4.41% EC	0.75- 1.00 l.
	Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1.00-2.00 l.
	Haloxyfop R Methyl 10.5% w/w EC	1.0-1.25 l.
	Propaquizafop 10% EC	0.50-0.75 l.
	Clethodim 25% w/w (240 g/L) EC	0.50 -0.75 l.
	Fluthiacet Methyl 10.3% EC	125 ml.
B. (Pre-mixed POE)	Fluazifop-p-butyl 11.1% w/w + Fomesafen 11.1% w/w SL	1.00 l.
	Imazethapyr 35% + Imazamox 35% WG	100 g.
	Propaquizafop 2.5% + Imazethapyr 3.75% w/w ME	2.00 l.
	Sodium Acifluorfen 16.5% + Clodinafop Propargyl 8% EC	1.00 l.

	Fomesafen 12 % + Quizalofop ethyl 3% w/w SC	1.50 l.
	Fomesafen 12.5% +Quizalofop ethyl 4.68% EC	1.00 l.
	Fomesafen 17.5% + Clodinafop-propargyl 12.5% w/w ME	1.00 l.
	Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36 g.+0.2%
	Haloxyfop-R Methyl 12.8 % + Imazethapyr 10 % (w/w) ME	0.825 l.
	Fomesafen 12.5% + Fenoxaprop-p-Ethyl 10% + Chlorimuron Ethyl 0.9% ME (125 + 100 + 9 a.i./ha)	1.00 l.
	Fluthiacet-methyl 2.5% + Quizalofop-ethyl 10% EC	0.50 l.
	Quizalofop ethyl 7.5% + Imazethapyr 15% w/w EC	0.50 l.
	Fenoxaprop-p-ethyl 6%+Chlorimuron ethyl 0.9% + Imazethapyr 10% SC	1.00 l.

Note: Spray of Post-emergence herbicide is advised only upto 20 days of sowing for having efficient weed management

****